# प्रथम सप्ताह

## १. सत्र की शुरुआत (पूर्वभूमिका)

हरि ॐ बच्चों ! आज की कहानी में हम जानेंगे कि कैसे छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने उद्‌यम और साहस के दम पर सिर्फ १२ साल की उम्र में एक कसाई से गाय को तो बचाया और आगे चलकर मुगलों से भी टक्कर ली। फिर मजेदार गतिविधि में हम सीखेंगे संस्कृत ! फिर संस्कृति सुवास में हम जानेंगे लाल किले के बारे में जो की समृद्धशाली हिन्दू समाज का प्रतीक है । फिर पर्व महिमा में हम जानेंगे कि सच्ची स्वतंत्रता क्या है ?

इसके अलावा ज्ञान का चुटकुला, ज्ञान विज्ञानं प्रतियोगिता, कीर्तन, खेल, प्राणायाम, योगासन और अंत मे पूज्य बापूजी के श्री मुख से सुनेंगे पावन सत्संग छत्रपति शिवाजी की वीरता की सत्य घटना ।

तो आइए, पूज्य गुरुदेव का स्मरण करते हुए शुरू करते हैं आज का बाल संस्कार केंद्र -

## २. प्राणायाम, जप, ध्यान

कीर्तन- अब हम कीर्तन करते हुए अपने स्थान पर खड़े होकर थोड़ी देर नृत्य करेंगे ।

https://youtu.be/7yMWmhcJXR

बच्चों, अब हम मंत्रोच्चारण और स्तुति करेंगे। सभी बच्चे अनामिका उँगली से तिलक के स्थान पर स्पर्श करते हुए मंत्र बोलेंगे ।

**ॐ गं गणपतये नमः, ॐ श्री सरस्वत्यै नमः,**

**ॐ श्री गुरूभ्यो नमः**

शिखा स्पर्श : सभी बच्चे शिखा के स्थान पर हाथ लगाकर मंत्र उच्चारण करेंगे -

**ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव ।**

**यद् भद्रं तन्न आ सुव ॥ ॐ**

(हे विश्व के देव ! हमारे सम्पूर्ण दुर्गुणों को दूर करें, और ब्रह्माण्ड में जो भी कल्याणकारक, शुभ गुण, कर्म, स्वभाव, सुख हैं वो हमें प्राप्त हों ।)

अब सभी बच्चे करेंगे "ॐकार" गुंजन

https://youtu.be/IpaxAhv-9LM

(2 मिनिट)

बच्चों, अब हम सब त्राटक करेंगे। त्राटक से हमारी एकाग्रता और याद शक्ति बढ़ती है ।

https://youtu.be/XxWfEjHbqCI (1 मिनिट चलायें ।)

## 3. आओ सुनें कहानी

### शिवाजी की वीरता और करुणा

12 वर्षीय शिवाजी (Shivaji) एक दिन बीजापुर के मुख्य मार्ग पर घूम रहे थे। वहाँ उन्होंने देखा कि एक कसाई गाय को खींचकर ले जा रहा है । गाय आगे नहीं जा रही थी

किंतु कसाई उसे डंडे मार-मार कर जबरदस्ती घसीट रहा था। शिवाजी से यह दृश्य देखा न गया ।

बालक शिवाजी (Balak Shivaji) ने म्यान से तलवार निकाली और कसाई के पास पहुँच कर उसके जिस हाथ में रस्सी थी उस हाथ पर तलवार का ऐसा झटका दिया कि गाय स्वतंत्र हो गयी ।

इस घटना को लेकर वहाँ अच्छी खासी भीड़ इकट्ठी हो गई लेकिन वीर शिवाजी (Shivaji) का रौद्र रुप देखकर किसी की आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं हुई ।

इस घटना का समाचार जब दरबार में पहुँचा तो नवाब क्रोध से तिलमिला उठा और शिवाजी (Shivaji) के पिता शहाजी को बोला : "तुम्हारा बेटा बड़ा उपद्रवी जान पड़ता है । शहाजी ! तुम उसे तुरंत बीजापुर से बाहर भेज दो ।"

शहाजी ने आज्ञा स्वीकार कर ली। शिवाजी को उनकी माता के पास भेज दिया गया । वे शिवाजी को बाल्यकाल से ही रामायण, महाभारत आदि की कथाएँ सुनाया करती थीं । साथ ही उन्हें शस्त्रविद्या का अभ्यास भी करवाती थीं । बचपन में ही शिवाजी ने तोरणा किला जीत लिया था ।

बाद में तो उनको ऐसी धाक जम गयी की सारे यवन उनके नाम से काँपते थे । वह दिन भी आया जब अपने राज्य से शिवाजी (Shivaji) को निकालने वाले बीजापुर के नवाब

ने उन्हें स्वतंत्र हिन्दू सम्राट के नाते अपने राज्य में निमंत्रित किया और जब शिवाजी हाथी पर बैठकर बीजापुर के मार्गों से होते हुए दरबार में पहुँचे, तब आगे जाकर उनका स्वागत किया और उनके सामने मस्तक झुकाया। कैसी थी शिवाजी की निर्भीकता ! कैसा गजब का था उनका साहस, आत्मविश्वास ! ।
तो सभी बच्चे जोर से बोलेंगे - श्री सदगुरुदेव भगवान की जय ।

## 4. भजन / पाठ

आज हम विशेष भजन गायेंगे -
रात अंधियारी हो, घनी घटायें काली हो, तो क्या करोगे ?
हरि हरि ॐ ॐ ...!!
https://youtu.be/zrkxZ5scSbg

## 5. ज्ञान का चुटकुला

टीचर: देखो बेटा, जुआ नहीं खेलते।
यह ऐसी आदत है कि यदि इसमें आज जीतोगे तो कल हारोगे, परसों जीतोगे तो उससे अगले दिन हार जाओगे।

बिगड़ैल स्टूडेंट: बस, मैडम ! मैं समझ गया, आगे से मैं एक दिन छोड़कर खेला करूंगा ।

सीख :- किसी भी चीज का व्यसन या नशा नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे जीवन बर्बाद हो जाता है । बड़ों की बातों को समझ कर उसका पालन करना चाहिए, उनको उलटे जवाब नहीं देने चाहिए ।

## 6. संस्कृति सुवास :-

**लाल किला: समृद्धशाली हिन्दू समाज का प्रतीक…**

15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के दिन राष्ट्रीय स्तर पर ध्वजारोहण भारत की राजधानी नई दिल्ली में लाल किले की प्राचीर से किया जाता है । क्या आपको लाल किले का वास्तविक इतिहास पता है?

लाल-किला के बारे में जानने की उत्सुकता रखने वालों को यह झूठा किस्सा सुनाया जाता है कि भव्य किले का निर्माण मुगल शासक शाहजहाँ ने करवाया। सबसे बड़ी बात यह

है कि शाहजहाँ ने न तो 'शाहजहाँबाद नामक कोई नगर बसाया था और न 'ताजमहल' एवं 'लाल-किला' बनवाया।

लाल-किला की पुरातत्वीय जाँच में अभी तक इस बात का एक भी ऐसा ठोस प्रमाण नहीं है जो यह सिद्ध कर दे कि इसे शाहजहाँ ने बनवाया था। हाँ, इस बात के ढेरों प्रमाण मिलते हैं कि यह किसी हिन्दू सम्राट द्‌वारा निर्मित ऐसा भव्य किला है जिस पर जबरन शाहजहाँ का नाम थोप दिया गया है। किले का भगवा रंग हिन्दुओं के लिए आदरणीय है। भगवा हिन्दू धर्म की पवित्र पहचान है। मुस्लिम धर्म में हरे रंग का महत्व है। किले के लगभग 80 बुर्ज अष्टकोणात्मक रचनाएँ हैं। हिन्दू धर्म में अष्टकोणों का विशेष महत्व है जबकि मुगलों का इससे कोई लेना-देना नहीं। इन बुर्जों पर बने छत्र भी अष्टकोणिय हैं तथा उनके गुम्बदीय शीर्षों पर शिखरों के नीचे पुष्प बने हुए हैं। इस प्रकार के पुष्पाच्छादित गुम्बद मुस्लिम निर्माण में नहीं होते। (क्रमशः)

## 7. पर्व महिमा :-

# सच्ची स्वतंत्रता

15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों की बाह्य गुलामी तो दूर हुई लेकिन उनके विचारों की गुलामी तो हमारे दिल-दिमाग में घुसी हुई है ।

पूज्य लीलाशाह बापू कहते हैं, हमारा देश 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि हम जैसा चाहे वैसा करें। विदेशों में कोई भी व्यवहार करने की खुली छूट है। मान-मर्यादा, धर्म, चरित्र सब नष्ट हो रहे हैं वे मनुष्य होकर पशुओं से भी अधम हो चुके हैं, क्या तुम इसे आजादी कहते हो ? कदापि नहीं, यह आजादी नहीं महाविनाश है। विषय-वासनाओं के वश में रहकर जैसा मन में आया वैसा कर लिया यह स्वतंत्रता नहीं बल्कि गुलामी है। मनमानी तो पशु भी कर लेता है फिर मनुष्यता कहाँ रही ? जब तुम अपने मन पर संयम रखते हो, माता-पिता, गुरूजनों एवं सत्शास्त्रों की आज्ञा में मन को वश में रखते हुए कार्य करते हो तब तुम स्वतंत्र हो। इसके विपरीत यदि मन के कहे अनुसार चलते रहे तो तुम मन के गुलाम हुए। भले ही अपने को स्वतंत्र कहो परंतु हो महागुलाम….

अतः मेरे भैया ! स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है। शहीदों ने खून की होली खेलकर आप लोगों को इसलिए आजादी दिलायी है कि आप अपना, समाज का तथा देश का कल्याण कर सकें। स्वतंत्रता का सदुपयोग करो तभी तुम तथा तुम्हारा देश स्वतंत्र रह पायेगा, अन्यथा मनमुखता के कारण अपने ओज-तेज को नष्ट करने वालों को कोई भी अपना गुलाम बना सकता है।

## 8. श्लोक :-

उभयत्र समो वीरः वीरभावो हि वीरता ॥

अर्थ: बन्धन हो या मृत्यु हो, जीत हो या हार हो – इन सभी परिस्थितियों में जो वीर पुरुष एक जैसा (शांत और अडिग) रहता है, उसके इस साहसी स्वभाव को ही वास्तविक 'वीरता' कहते हैं ।

## 9. गतिविधि

आज हम जानेंगे कि शरीर के अंगों को संस्कृत में क्या कहते हैं ?

## पञ्च ज्ञानेन्द्रियाणि (पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ)

| हिंदी | संस्कृत |
|---|---|
| चक्षुः | आँख |
| श्रोत्रम् | कान |
| घ्राणम् | नाक |
| रसना | जीभ |
| त्वक् | त्वचा |

## आन्तरिक अङ्गानि (भीतरी अंग)

| हिंदी | संस्कृत |
|---|---|
| मस्तिष्कम् | मस्तिष्क (दिमाग) |
| हृदयम् | हृदय |
| यकृत् | यकृत् (लीवर) |
| आमाशयः | आमाशय (पेट) |
| फुफ्फुसम् | फेफड़ा |

| | |
|---|---|
| वृक्कः | गुर्दा |
| आन्त्राणि | आँतें |

## 10. क्विज़

अब बारी है ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता की । आपको एक प्रश्न पूछा जाएगा, उत्तर में चार विकल्प होंगे और आपको 10 सेकंड में सही उत्तर बताना है । प्रश्न है,-

“इनमें से कौन सा अवतार भगवान विष्णु का अवतार नहीं है?

विकल्प हैं -

A. नृसिंह अवतार

B. हनुमान अवतार

C. वामन अवतार

D. धन्वन्तरि अवतार

प्रश्न का सही उत्तर आपको सत्र के अंत में बताया जायेगा ।

## 11. श्री आशारामायण पाठ

बच्चों, अब हम सभी श्री आशारामायणजी की पंक्तियां दोहराएंगे । https://youtu.be/bI57Gh3T4ps (कुछ पंक्तियों का पाठ करवाएं।)

## 12. सत्संग श्रवण

अब हम पूज्य बापूजी के श्रीमुख से सत्संग में सुनेंगे-

व्यवहार में आत्म शांति...

https://youtu.be/BTKRSUfq_OI

## 13. प्रश्नोत्तरी

**तैयार हो जाइए प्रश्नोत्तरी के लिए -**

- शिवाजी कितने साल के थे?
- शिवाजी ने गाय को कैसे बचाया ?
- किसने बीजापुर के नवाब के सामने सर नहीं झुकाया ?
- आज की कहानी से हमको क्या शिक्षा मिलती है?
- पाँचों ज्ञान इन्द्रियों को संस्कृत में क्या कहते है ?
- आज के सत्संग से हमको क्या शिक्षा मिलती है?

## 14. पूर्णाहूति

**<u>आरती</u>** - सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर आरती के लिए खड़े हो जाएंगे।

नारायण नारायण नारायण नारायण।

इसी के साथ हमारा आज का बाल संस्कार केंद्र संपन्न होता है अगले सप्ताह फिर मिलेंगे बच्चो एक नए ज्ञान वर्धक विषय के साथ। तब तक के लिए हरि ॐ!!!

**<u>दीपज्योति एवं आरती</u>** -

सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर आरती के लिए खड़े हो जाएंगे।

**प्रार्थना** :

**ॐ असतो मा सद्गगमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय,**

**मृत्योर्मामृतं गमय ॥**

**ॐ शान्ति शान्ति शान्तिः**

हे ईश्वर, हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो ।

**प्रतियोगिता का उत्तर -** ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता प्रश्न का सही उत्तर है - (B) हनुमान अवतार

हनुमान जी भगवान शिव जी के अवतार हैं, बाकी अन्य सभी दिए गए विकल्प भगवान विष्णु के अवतार हैं ।

****

# दूसरा सप्ताह

## १. सत्र की शुरुआत (पूर्वभूमिका) :-

हरि ॐ बच्चों !! आज की कहानी में बताएंगे खुदीराम बोस नामक बच्चे की वीरता के बारे में ! फिर संस्कृति सुवास में हम जानेंगे कि समृद्धशाली हिन्दू समाज का प्रतीक लाल किले का वास्तविक इतिहास । फिर हम स्वतंत्रता दिवस विशेष में जानेंगे सच्ची स्वतंत्रता क्या होती है? मजेदार गतिविधि में हम करेंगे स्वतंत्रता सेनानी की उनके द्वारा किये गए महान कार्यों की पहचान !

इसके अलावा ज्ञान का चुटकुला, ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता, कीर्तन, प्राणायाम, और अंत मे पूज्य बापूजी के श्री मुख से सुनेंगे पावन सत्संग ।

तो आइये, पूज्य गुरुदेव का स्मरण करते हुए शुरू करते है आज का बाल संस्कार केंद्र -

## २. प्राणायाम, जप, ध्यान

अब सभी बच्चे अपने स्थान पर खड़े होकर थोड़ी देर पंजों के बल उछलकूद करेंगे, जिससे शरीर और मस्तिस्क में रक्त का अनुकूल प्रवाह बढ़ेगा और चुस्ती फुर्ती मे मदद मिलेगी ।

बच्चों, अब सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर बेठ जाएंगे, कमर सीधी, ज्ञान मुद्रा में 'हरि ॐ' का गुंजन करेंगे।

अब सभी अनामिका उँगली से तिलक के स्थान पर स्पर्श करते हुए मंत्र बोलेंगे और हाथ जोड़कर पूज्य सद्गुरुदेव की प्रार्थना करेंगे -

https://youtu.be/7yMWmhcJXRI

**ॐ गं गणपतये नमः,**

**ॐ श्री सरस्वत्यै नमः,**

**ॐ श्री गुरूभ्यो नमः**

बच्चों, अब हम सब त्राटक करेंगे । त्राटक से हमारी एकाग्रता और याद शक्ति बढ़ती है ।

https://youtu.be/XxWfEjHbqCI

## 3) आओ सुनें कहानी :-

## वीर सेनानी खुदीराम बोस ...

बात उस समय की है जब भारत पर अंग्रेजों का शासन था। मेदिनीपुर (पं. बंगाल) में एक विशाल प्रदर्शनी लगी थी, जिसका उद्देश्य था अंग्रेजों द्वारा भारत के लोगों पर किये जा रहे अत्याचारों पर पर्दा डालना । प्रदर्शनी में रखी वस्तुएँ, चित्र, कठपुतलियाँ ऐसी थीं जिससे लोगों को लगे कि गोरे शासक भारत को बहुत सहायता दे रहे हैं ।

प्रदर्शनी को देखने के लिए भारी भीड़ एकत्रित थी । उसी भीड़ में एक 16 वर्षीय नवयुवक दर्शकों को पर्चे बाँट रहा था । उस पर्चे में 'वन्दे मातरम्' का नारा था, साथ-ही-साथ प्रदर्शनी के आयोजक अंग्रेजों की असलियत भी दी गयी थी कि किस तरह से वे जनता को गुमराह कर रहे थे । उसमें अंग्रेजों द्वारा किये गये अन्याय व क्रूरता का उल्लेख था तथा उनके षड्यंत्रों की पोल खोलकर रख दी गयी थी ।

दर्शकों में वहाँ कुछ लोग ऐसे भी थे जो अन्न तो भारत का खाते थे पर निष्ठा इंग्लैंड के राजा के प्रति रखते थे । अंग्रेजों के अन्याय का विरोध करने वाले उस युवक का उन्होंने

विरोध किया, उसे पर्चे बाँटने से रोका तथा डराया-धमकाया । फिर भी उनकी उपेक्षा कर नवयुवक ने शांति से पर्चे बाँटना जारी रखा । जब कुछ लोग उसे पकड़ने लगे तो वह चालाकी से भाग गया ।

अंत में पुलिस के एक सिपाही ने उस लड़के का हाथ पकड़ा और उसके पर्चे छीन लिये परंतु उस लड़के को पकड़ना आसान नहीं था । उसने झटका देकर अपनी कलाई छुड़ा ली और पर्चे भी छीन के ले गया । जाते-जाते बोला : "मैं देखूँगा कि बिना वारंट के पुलिस कैसे पकड़ती है ?"

पुलिसवाला पकड़े इससे पहले वह लड़का भीड़ में अदृश्य हो गया । जब लोग 'वन्दे मातरम्' के नारे लगाने लगे तो पुलिस और राजनिष्ठ लोगों को अपमानजनक प्रतीत हुआ ।

बाद में उस लड़के के विरूद्ध मुकदमा चलाया गया लेकिन छोटी उम्र होने के कारण न्यायालय ने उसे मुक्त कर दिया ।

उस प्रदर्शनी में जिस वीर लड़के ने बहादुरी के साथ पर्चे बाँटकर अंग्रेजों की बुरी योजनाओं पर पानी फेर दिया, वह था स्वतंत्रता-संग्राम का वीर सेनानी खुदीराम बोस !

उस युवा वीर ने अपने देश की जनता को सावधान करने के लिए, उनको जगाने के लिए जो क्रांतिकारी गतिविधियाँ कीं, उनसे अंग्रेज सरकार भी भयभीत हो गयी थी । मुट्ठी भर साहसी लोगों ने इतिहास बदल डाला है । आप भी कोई महान कार्य करने की ठान लो और प्राणपण से लग जाओ तो आप भी नया इतिहास बना सकते हो ।

खुदीराम बोस जैसे देशभक्तों ने यह संदेश दिया है कि "हमारी संस्कृति के खिलाफ जो षड्यंत्र चल रहे हैं, जो झूठ और अनर्गल बातें फैलायी जा रही हैं, उनसे जनता को बचाना, सत्य से अनजान लोगों को सच्चाई से अवगत कराना, हर राष्ट्रनिष्ठ व्यक्ति का कर्तव्य है । सभी बच्चे जोर से बोलेंगे श्री सदगुरुदेव भगवान की जय....

## 4. ज्ञान का चुटकुला :

टीचर - बच्चों बताओ 15 अगस्त का दिन हमारे लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

पप्पू - सर, क्यों कि इस दिन हमें स्कूल में 2-2 लड्डू खाने को मिलते है ।

सीख - ज्यादा स्वाद लोलुप नहीं होना चाहिए । युक्ति युक्त उत्तर देना चाहिए ।

## 5. श्लोक :-

**क्षत्रवीरान् अहं वन्दे ऐतिहासिककालिकान्।**
**हिन्दुस्वातन्त्र्यरक्षार्थं यैः प्राणा आहुतीकृताः॥**

अर्थ :- मैं इतिहास के वीरों को नमन करता हूँ जिन्होंने भारत देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

## 6. क्विज़

अब बारी है ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता की ।

आपको एक प्रश्न पूछा जाएगा, उत्तर में चार विकल्प होंगे और आपको 10 सेकंड में सही उत्तर बताना है ।

प्रश्न है,- " किन संत का आशीर्वाद पाकर सुभाषचन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज का गठन किया था?" विकल्प है -

[a] संत आनंदमयी माँ

[b] स्वामी विवेकानंद जी

[c] स्वामी अखंडानंद जी

[d] संत देवराहा बाबा

प्रश्न का सही उत्तर आपको सत्र के अंत में बताया जायेगा ।

## 7. गतिविधि

अब बारी है गतिविधि की - आज की गतिविधि है - स्वतंत्रता सेनानी की पहचान !

आपको नीचे दिए गए स्वतंत्रता सेनानियों के नाम को उनके सही पहचान से मिलान करना है, देखते हैं कौन सबसे पहले सही करता है..?

| • **स्वतंत्रता सेनानी** | **पहचान** |
|---|---|
| 1) मोहनदास गांधी | 1857 के भारतीय विद्रोह का नेतृत्व |
| 2) डॉ. बी आर अम्बेडकर | पंजाब केसरी |

| | |
|---|---|
| 3) डॉ. राजेंद्र प्रसाद | भारत के दूसरे प्रधानमंत्री |
| 4) सरदार भगत सिंह | बंगाल से असहयोग आंदोलन के नेता एवं स्वराज पार्टी के संस्थापक। |
| 5) रानी लक्ष्मी बाई | बालिकाओं के लिए भारत के पहले स्कूल की स्थापना |
| 6) लाल बहादुर शास्त्री | अहिंसा के मार्ग का अनुसरण. |
| 7) चितरंजन दास | भारत के प्रथम गृह मंत्री एवं प्रथम उप प्रधानमंत्री |
| 8) लाला लाजपत राय | भारत के युवा क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी |
| 9) बाल गंगाधर तिलक | भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति। |
| 10) ज्योतिबा फूले | संविधान के जनक एवं भारत के प्रथम विधि मंत्री |
| 11) सरदार वल्लभभाई भाई पटेल | वन्दे मातरम गीत की रचना |
| 12) बंकिम चन्द्र चटर्जी | लोकमान्य |

## गतिविधि का उत्तर -

- **स्वतंत्रता सेनानी - पहचान**

1) मोहनदास गांधी - अहिंसा के मार्ग का अनुसरण.

2) डॉ. बी आर अम्बेडकर - संविधान के जनक एवं भारत के प्रथम विधि मंत्री

3) डॉ. राजेंद्र प्रसाद - भारत गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति।

4) सरदार भगत सिंह - भारत के युवा क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी

5) रानी लक्ष्मी बाई - 1857 के भारतीय विद्रोह का नेतृत्व

6) लाल बहादुर शास्त्री - भारत के दूसरे प्रधानमंत्री

7) चितरंजन दास - बंगाल से असहयोग आंदोलन के नेता एवं स्वराज पार्टी के संस्थापक।

8) लाला लाजपत राय - पंजाब केसरी

9) बाल गंगाधर तिलक - लोकमान्य

10) ज्योतिबा फूले - बालिकाओं के लिए भारत के पहले स्कूल की स्थापना

11) सरदार वल्लभभाई भाई पटेल - भारत के प्रथम गृह मंत्री एवं प्रथम उप प्रधानमंत्री

12) बंकिम चन्द्र चटर्जी - वन्दे मातरम गीत की रचना

## 8. संस्कृति सुवास :-

**लाल किला: समृद्धशाली हिन्दू समाज का प्रतीक…**

लालकिले की निर्माण शैली पर यदि सूक्ष्मता से अध्ययन किया जाये तो पता चलता है कि इसका निर्माण हिन्दू वास्तुकला के सिद्धान्तों पर किया गया है। किले की पूर्व दिशा में बह रही यमुना नदी इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। हिन्दू घुटनों तक के जल में खड़े होकर प्रातःकाल के उदयीमान सूर्यनारायण को जल (अर्घ्य) चढ़ाकर उनकी अर्चना करते हैं। यमुना नदी का यह भाग इसीलिए 'राजघाट कहलाता है क्योंकि यह राजाओं तथा राज परिवारों के लिए विशेष रूप से बनाया गया था। यदि शाहजहाँ ने लाल किला बनवाया होता तो शायद यह घाट

होता ही नहीं और यदि होता भी तो ‘बादशाह घाट या ‘बेगम घाट’ ही कहलाता ‘राजघाट’ नहीं।

लालकिले की प्रत्येक मेहराब के दाएँ-बाएँ स्कन्धों पर सूर्यमुखी पुष्प बने हुए हैं। ये सूर्यमुखी पुष्प इस किले का सूर्यवन्शी हिन्दू राजाओं द्वारा निर्मित होने का प्रमाण देते हैं। लालकिले के ‘खासमहल के भीतर बना हुआ प्राचीन हिन्दू राजवंशी राजचिन्ह आज भी लाल किला की सत्यता प्रकट कर रहा है। इस राजचिन्ह में एक कलश में कमलदण्डी खड़ी है। इस कमलदण्डी के ऊपरी छोर पर न्यायतुला झूल रही है। न्यायतुला के ऊपर सूर्यनारायण एवं दोनों ओर भगवान श्रीविष्णु के हाथ में शोभायमान होने वाला शंख है।

दीवाने-आम के चारों ओर का क्षेत्र आज भी गुलाल-बाड़ी के नाम से जाना जाता है। गुलाल या कुमकुम का लाल रंग हिन्दुओं के ललाटों पर तिलक के रूप में शोभायमान होता है। हिन्दुओं की सुहागिन नारियाँ अपने पति की दीर्घायु की कामना हेतु इससे अपनी माँग सजाती

है। उनके लिए यह सबसे बड़ा सौभाग्यसूचक चिन्ह है, जबकि मुसलमानों में गुलाल का कोई विशेष महत्व नहीं है।

मुगलों ने हमारी भारतीय संस्कृति को मिटाने का बहुत प्रयास किया था । पर खेद की बात यह है कि आज भी हमें वही गलत इतिहास ही पढ़ाया जाता है वह सिखाया जाता है । इसलिए हमारा कर्तव्य बनता है कि हम भारत के वास्तविक सनातन इतिहास को जाने और दूसरों को भी अवगत करावे ।

## 9) भजन :-

अब सभी बच्चे गाएंगे भजन -

राष्ट्र का सम्मान है बापू, संस्कृति के प्राण है बापू...

https://youtu.be/cT1-TayX-gI

## 10) पर्व महिमा :-

**पूज्य बापूजी कहते हैं**, "स्वतंत्रता दिवस पर यही संदेश है कि **आप आजादी की खुशियाँ मना लेना परंतु खुशियाँ मनाने के साथ वे शाश्वत रहें ऐसी नजर रखना।** देश को तोडनेवाले तत्त्वों और अपने को गिरानेवाले विकारों से बचना। ईश्वर-स्मरण व साधन भजन इन्हींकी ओर लगना। केवल ऐहिक आजादी पर्याप्त नहीं है, **चौरासी लाख जन्मों के कष्टों से भी आजादी पाना यह बुद्धिमान सज्जनों का लक्ष्य होता है।** "

योगी अरविंद घोष ने कहा कि "तुम किसी के गुलाम मत बनो, तुम स्वयं अपने स्वामी बनो। " भारत के युवानों को गर्व होना चाहिए कि वे ऐसी भारत माँ की सौभाग्यशाली संतान हैं, जहाँ शास्त्रों एवं सदगुरुओं का मार्गदर्शन सहज-सुलभ है। आज ही प्रण कर लो कि हम भारतीय शिक्षा पद्धति ही अपनायेंगे। अपने ऋषियों-महापुरुषों द्वारा चलायी गयी सर्वोत्कृष्ट गुरुकुल शिक्षा-पद्धति अपनाकर जीवन को महान और तेजस्वी बनायेंगे, समग्र विश्व में अपनी संस्कृति की सुवास फैलायेंगे।

## 11. श्री आशारामायण पाठ

बच्चों, अब हम श्री आशारामायण की कुछ पंक्तियां दोहराएंगे ।

https://youtu.be/bl57Gh3T4ps

## 12. सत्संग श्रवण

अब हम सुनेंगे पूज्य बापूजी की अमृतमयी वाणी ...

https://youtu.be/h8-OjHc-A1A

अटल बिहारी वाजपेयजी ने क्या कहा था पूज्य बापूजी के राष्ट्रीय कर्तव्य के बारे में...?

## 13. प्रश्नोत्तरी

**तैयार हो जाइए प्रश्नोत्तरी के लिए** -

- खुदीराम क्या कर रहा था ?
- कैसे लोगों का इतिहास लिखा जाता है ?
- आज की कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?
- यमुना नदी का भाग राजघाट क्यों कहलाता है?
- पूज्य बापूजी स्वतंत्रता दिवस पर क्या संदेश देते है?

- अटल बिहारी वाजपेयजी ने क्या कहा था संत श्री आशारामजी बापूजी के राष्ट्रीय कर्तव्य के बारे में ?
- आज के सत्संग से आपको क्या सीख मिलती है?

## 14. पूर्णाहूति :-

**दीपज्योति एवं आरती**

सभी बच्चे अपने अपने स्थान पर आरती के लिए खड़े हो जाएंगे।

**प्रार्थना** :

**ॐ असतो मा सद्गगमय,**
**तमसो मा ज्योतिर्गमय,**
**मृत्योर्मामृतं गमय ॥**
**ॐ शान्ति शान्ति शान्तिः**

हे ईश्वर, हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो ।

नारायण नारायण नारायण नारायण ।

इसी के साथ हमारा आज का बाल संस्कार केंद्र संपन्न होता है अगले सप्ताह फिर मिलेंगे बच्चो ! एक नए ज्ञानवर्धक विषय के साथ। तब तक के लिए हरि ॐ !!!

**ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता प्रश्न का सही उत्तर है** । ज्ञान-विज्ञान प्रतियोगिता प्रश्न का सही उत्तर है ।

**[D]** अंग्रेजों के अत्याचारों को रोकने हेतु **देवराहा बाबा** का आशीर्वाद पाकर सुभाषचन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज का गठन किया ।

****